"पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय महू में मलेरिया उन्मूलन पर शोध परियोजना मंजूर"

आई.सी.एम.आर.–नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ मलेरिया रिसर्च (आई.सी.एम.आर.–एम.ई.आर.ए. इंडिया) ने नानाजी देशमुख वेटरनरी साइंस यूनिवर्सिटी के पशु चिकित्सा एवं पशुपालन महाविद्यालय, महू को मलेरिया उन्मूलन पर शोध परियोजना को मंजूरी दी है। यह उपलब्धि माननीय कुलपति, प्रो. (डॉ.) एस.पी. तिवारी के गतिशील नेतृत्व के कारण ही संभव हो पाई है। महाविद्यालय के अधिष्ठाता, डॉ. बी.पी. शुक्ला ने बताया कि डॉ. मधु स्वामी, निदेशक अनुसंधान सेवाएं (डी.आर.एस.) ने विभिन्न संकाय सदस्यों को अनुसंधान परियोजनाओं को प्रस्तुत करने के लिए निर्देशित किया और इसके परिणामस्वरूप, डॉ. विवेक अग्रवाल, पशु परजीवी विज्ञान विभाग, महू को प्रधान अन्वेषक के रूप में यह परियोजना मिली। इस परियोजना में डॉ. ए.के. जयराव, डॉ. एम. शाक्य और डॉ. जी.पी. जाटव को–पीआई के तौर पर कार्य करेंगे। स्वीकृत परियोजना का शीर्षक **"एप्लीकेशन ऑफ अट्रैक्टिव टॉक्सिक शुगर बेट (ए. टी.एस.बी.) फॉर इफेक्टिव मलेरिया वेक्टर कंट्रोल"** है। इसके अलावा, अधिष्ठाता महोदय ने कहा कि, वर्ष 2022 में, ICMR ने अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (AIIMS), भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (IIT) और BITS पिलानी जैसे देश के विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों को ग्यारह परियोजनाओं को मंजूरी दी है। इनमें नानाजी देशमुख वेटरनरी साइंस यूनिवर्सिटी इकलौती वेटरनरी यूनिवर्सिटी है, जिसे यह परियोजना मिली है।

सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी
ना.दे.प.चि.वि.वि., जबलपुर